दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
: dnpgonline@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 26.03.2023

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 26.03.2023, गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाई महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई के विशेष सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन प्रातः योगासन एवं सेल्फ डिफेन्स प्रशिक्षक आदित्य कुमार जायसवाल ने स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं को योगासन का प्रशिक्षण दिया तथा सेल्फ डिफेन्स के विभिन्न आयामों के गुण भी शिखलाई। प्रार्थना सभा, राष्ट्रीय सेवा योजना का संकल्प गीत एवं लक्ष्य गीत के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ , जिसमें कुल 27 स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने प्रतिभाग करते हुए प्रथम स्थान आराध्या दूबे बी.ए. द्वितीय वर्ष मीराबाई इकाई, द्वितीय स्थान पर संजना जायसवाल बी.काम प्रथम वर्ष महाराणा प्रताप इकाई, तृतीय स्थान पर रूपम दूबे बी.एससी. प्रथम वर्ष गोरखनाथ इकाई को प्राप्त हुआ।

अपराह्न बौधिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में इन्जीनियर विपुल त्रिपाठी सी.ई.ओ. विधुन लर्निफाई कम्पनी लिमिटेट सरोजनी नगर लखनऊ ने कौशल विकास विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आप सभी अपना रिज्जूम (बायोडाटा) तैयार करते है लेकिन रिज्जूम तैयार करते समय सावधानी नहीं वरततें हैं रिज्जूम केवल एक पेज में ही समायोजित करते हुए वेसिक इन्फार्मेसन, शैक्षिक योग्यता जिसमें साफ्ट स्किल एवं टेक्निकल स्किल का ध्यान रखना चाहिए। प्रोजेक्ट वर्क या रिसर्च पेपर, दायित्व, रिवार्ड एवं एचिवमेन्ट सभी का समायोजन करते हुए आपको अपना रिजूम (बायोडाटा) तैयार करना चाहिए क्योंकि जैसे आवेदन कम्पनी को करते हैं कम्पनी के द्वारा आवेदन ट्रेकिंग प्रणाली द्वारा ट्रैक करके मात्र 6 सेकेण्ड में आपके आवेदन को स्वीका/अस्वीकार करने लायक है ट्रैक कर देता है। लगभग 98 प्रतिशत रिज्जूम इस प्रणाली का उपयोग करने के बाद रिजेक्ट हो जाते हैं, जो 2 प्रतिशत ट्रैकिंग विधि द्वारा चयनित किया जाता है। उसमें से 7 प्रतिशत रिज्जूम बेहतर तरीके से तैयार किए गये होते हैं, लेकिन वह आगे चलकर रिजेक्ट हो जाते हैं। केवल एक प्रतिशत लोगों का ही फाइनल रूप से चयनित किया जाता है।

विधुन लर्निफाई कम्पनी प्रा.लिमिटेट द्वारा चलाये जाने वाले विभिन्न कोर्षों के बारे में बात करते हुए आगे कहा कि आज के वैश्वीकरण के दौर में हमारा बाजार वैश्विक हो चुका है ऐसी स्थिति में हमें विदेशी भाषाओं का हमें ज्ञान होना परम आवश्यक है। भारत में विदेशी भाषाओं का ज्ञान रखने वाले लोगो की अत्यन्त कमी है ऐसे में हमारे कम्पनी विदेशी भाषाओं को त्रिपल पी. माडल आधार पर न्यूनतम शुल्क पर पाठयक्रम को करने की सुविधा को प्रदान करती है साथ ही साथ जाब भी अच्छे पैकेज के साथ उपलब्ध करवाती है।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय के द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पियूष सिंह के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव की रहीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के श्री अजय शर्मा, श्री लक्ष्मण थापा एवं स्वयं सेवक में मुख्य रूप से विपिन जायसवाल, छत्रसाल सिंह, आयूषीशरण सिंह, खुशी राव सहित स्वयं सेवक स्वयं सेविकाएँ उपस्थित रहें।

डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी